पाठ – संज्ञा

विषय को अच्छी तरह पढ़कर अपनी हिन्दी की कॉपी में प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

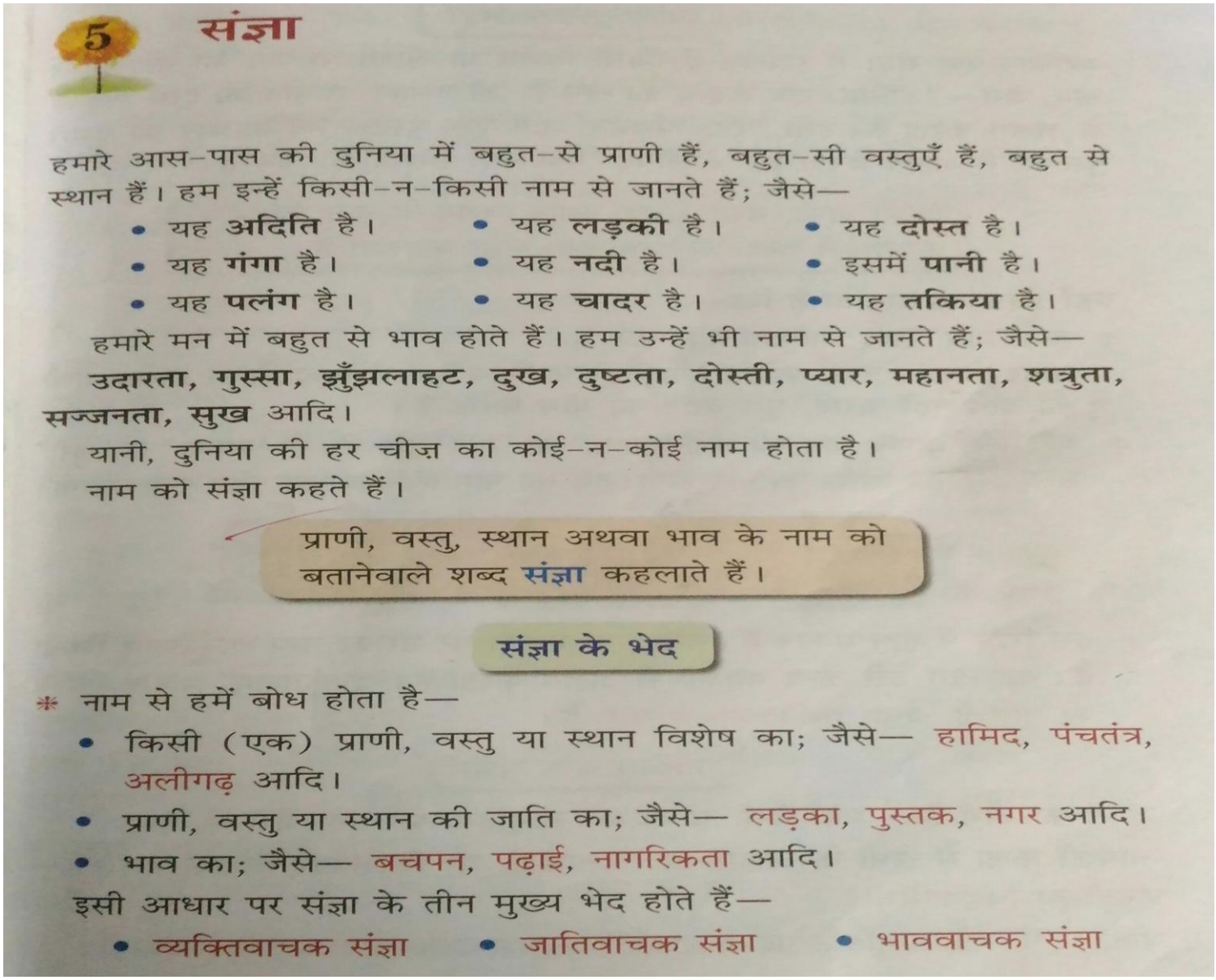

5 संज्ञा

हमारे आस-पास की दुनिया में बहुत-से प्राणी हैं, बहुत-सी वस्तुएँ हैं, बहुत से स्थान हैं। हम इन्हें किसी-न-किसी नाम से जानते हैं; जैसे—

- यह **अदिति** है।
- यह **लड़की** है।
- यह **दोस्त** है।
- यह **गंगा** है।
- यह **नदी** है।
- इसमें **पानी** है।
- यह **पलंग** है।
- यह **चादर** है।
- यह **तकिया** है।

हमारे मन में बहुत से भाव होते हैं। हम उन्हें भी नाम से जानते हैं; जैसे— **उदारता, गुस्सा, झुँझलाहट, दुख, दुष्टता, दोस्ती, प्यार, महानता, शत्रुता, सज्जनता, सुख** आदि।

यानी, दुनिया की हर चीज़ का कोई-न-कोई नाम होता है।

नाम को संज्ञा कहते हैं।

प्राणी, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम को बतानेवाले शब्द **संज्ञा** कहलाते हैं।

संज्ञा के भेद

* नाम से हमें बोध होता है—
  - किसी (एक) प्राणी, वस्तु या स्थान विशेष का; जैसे— हामिद, पंचतंत्र, अलीगढ़ आदि।
  - प्राणी, वस्तु या स्थान की जाति का; जैसे— लड़का, पुस्तक, नगर आदि।
  - भाव का; जैसे— बचपन, पढ़ाई, नागरिकता आदि।

इसी आधार पर संज्ञा के तीन मुख्य भेद होते हैं—

- व्यक्तिवाचक संज्ञा
- जातिवाचक संज्ञा
- भाववाचक संज्ञा

प्रश्न 1. संज्ञा किसे कहते हैं ?

प्रश्न 2. संज्ञा के कितने भेद होते हैं ?

प्रश्न 3. संज्ञा के भेदों के नाम लिखिए ।